

विश्व में

राम



संपादक
डॉ नीता त्रिवेदी

विश्व में राम

Copyright © डॉ. नीता त्रिवेदी 2021

Published by QUIGNOG

A PIRATES Imprint.

www.quignog.com

Typeset in Karma 9.5/15

1/21

Pirates is proud to offer this book to our readers; however, the story, the experience and the words belong to the respective authors. The views expressed in the book do not necessarily represent or reflect the views of this publishing house.

All rights reserved.

For worldwide sale.



Pirates is committed to a sustainable future for our business, our readers and our planet. This book is made from Forest Stewardship Council™ certified paper.

10. गुजराती साहित्य में रमणलाल सोनी कृत 'श्री रामकथा सुधा' का स्थान
डॉ. जशवंतभाई डी. पंड्या
11. वैश्विक परिदृश्य में रामकथा- विविध रंग
सुनील पाठक
12. वर्तमान युग में रामकथा की प्रासंगिकता
डॉ. श्वेता उपाध्याय
13. भुशुण्डि रामायण का वैशिष्ट्य
डॉ. राजेश श्रीवास्तव
14. तुलसी काव्य में समन्वय
डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह,
15. आधुनिक कविता और रामायण के विविध सदंर्भ
डॉ. नीतू परिहार
16. रामायण: एक नहीं अनेक (रामानन्द सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में)
महेश शर्मा (शास्त्री कोसलेन्द्रदास)
17. राम साहित्य में राम की वियोग-अभिव्यंजना
डॉ. प्रीति भट्ट
18. आधुनिक काव्य में रामकथा का बदलता स्वरूप
डॉ. कुलवंत सिंह
19. रामकथा और राधेश्याम रामायण
डॉ. नवीन नंदवाना
20. पंजाब में रचित राम काव्य की अज्ञात एवं अल्पज्ञात पांडुलिपियाँ
(भाई गुरदास पुस्तकालय का सदंर्भ)
डॉ. सुनीता शर्मा
21. रामकथा के कितने नाम
डॉ. आशीष सिसोदिया

आधुनिक कविता और रामायण के विविध संदर्भ

डॉ. नीतू परिहार
सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग,
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

आधुनिक कविता हो या समकालीन कविता कवि अपने समय के सरोकारों से सदा जुड़ा रहता है। भारतीय संस्कृति में रामायण और राम सदा से उपस्थित रहे हैं। राम हमारी आस्था में हैं तो हमारे आधुनिक जीवन के बदलते हुए परिवेश में भी हैं। राम ही क्यों रामायण के कई पात्र आधुनिक कविता के विषय बने हैं। कई कवियों ने अपनी कविता में रामायण के पात्रों को नये संदर्भ के साथ प्रस्तुत किया है। निराला की 'राम की शक्ति पूजा', मैथिलीशरण गुप्त का 'साकेत', नरेश मेहता की 'संशय की एक रात' आदि कई ऐसी कविताएँ हैं जो रामायण के पात्रों पर आधारित हैं।

राम ने अपनी माँ की आज्ञा को सिर-माथे मान कर चौदह वर्ष का वनवास सहर्ष स्वीकार किया। राम को वनवास का फरमान दे दशरथ जीवित न रह सके, अयोध्यावासियों में होड़ लग गई उनके साथ जाने की। माताओं का रो-रो कर बुरा हाल हुआ, पर राम ने किसी की न सुनी और वन को प्रस्थान कर गये। चौदह वर्ष वन में रह कर माँ का आदेश माना। वन में तप कर, त्याग कर यश प्राप्त किया। मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए लेकिन आधुनिक समय में राम नाम को लोगों ने अपने तरह से भुनाया। किसी ने राम नाम से यात्राएँ की, किसी ने यज्ञ करवाये तो किसी ने बड़े-बड़े पोस्टर लगावाये-

यहाँ पचास फीट ऊँचे
एक कटआउट के
सामने लगा है
तुम्हारा कटआउट।